

## 2 January - Model Answer

**What are the role and function of the United Nations High Commissioner for Refugees (UNHCR)? Examine its relevance in the contemporary world.**

The United Nations High Commissioner for Refugees (UNHCR) is a UN agency established in 1950 to address the global refugee crisis in the aftermath of World War II. Its primary mission is to safeguard the rights and well-being of refugees, stateless persons, and asylum seekers. The agency plays a critical role in:

- **Protection and Advocacy:**
  - Ensuring access to asylum and legal protection.
  - Advocating for the rights of displaced populations.
  - Preventing forced returns to countries where individuals face persecution (non-refoulement).
- **Emergency Response:**
  - Providing shelter, food, and medical aid during crises.
  - Coordinating with governments and NGOs to manage displacement situations.
- **Durable Solutions:**
  - Facilitating voluntary repatriation of refugees to their home countries.
  - Promoting local integration in host communities.
  - Assisting with resettlement in third countries.
- **Statelessness Eradication:**
  - Advocating for birth registration and nationality rights.
  - Working with governments to amend laws that cause statelessness.
- **Capacity Building:**
  - Supporting national asylum systems.
  - Training governments and institutions on international refugee law.

### **Relevance in the Contemporary World**

- **Global Refugee Crisis:**
  - As of 2023, over 35 million people are refugees, while 108 million are forcibly displaced globally due to conflicts in countries like Syria, Afghanistan, Ukraine, and Myanmar.
  - UNHCR's role in providing humanitarian assistance and advocating for political solutions is crucial.
- **Climate Change:**
  - Environmental disasters and climate change-induced displacement have increased, adding new challenges for UNHCR in protecting vulnerable populations.
- **Statelessness:**
  - Millions remain stateless due to discriminatory laws and practices. UNHCR's campaigns like #IBelong aim to end statelessness by 2024.
- **Rising Xenophobia:**

- In an era of growing nationalism and anti-refugee sentiment, UNHCR's advocacy for the rights and dignity of displaced persons is essential.

- **Complex Crises:**

- Modern conflicts often involve non-state actors and transnational issues, requiring UNHCR's coordination across borders.

The UNHCR's mandate to protect displaced and stateless populations makes it indispensable in addressing contemporary humanitarian crises. However, it faces challenges such as funding gaps, limited cooperation from host countries, and political resistance. Strengthening international collaboration and addressing root causes of displacement will ensure its continued effectiveness in mitigating human suffering.

**प्रश्न:** संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR) की भूमिका और कार्य क्या हैं? समकालीन दुनिया में इसकी प्रासंगिकता की जांच करें।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR) की स्थापना 1950 में द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात वैश्विक शरणार्थी संकट को संबोधित करने हेतु की गई थी। इसका प्राथमिक मिशन शरणार्थियों, राज्यविहीन व्यक्तियों और शरण चाहने वालों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा करना है। यह एजेंसी निम्नलिखित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है:

- संरक्षण एवं वकालत:
  - शरण और विधिक सुरक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना।
  - विस्थापित जनसंख्या के अधिकारों की वकालत करना।
- आपातकालीन प्रतिक्रिया:
  - संकट के दौरान आश्रय, भोजन और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना।
  - विस्थापन स्थितियों का प्रबंधन करने के लिए सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय करना।
- सतत समाधान:
  - शरणार्थियों को स्वैच्छिक रूप से उनके गृह देशों में वापस भेजने में सहायता करना।
  - मेजबान समुदायों में स्थानीय एकीकरण को बढ़ावा देना।
  - पुनर्वास में सहायता करना।
- राज्यविहीनता का उन्मूलन:
  - जन्म पंजीकरण और राष्ट्रियता अधिकारों की वकालत करना।
  - राज्यविहीनता का कारण बनने वाली विधियों में संशोधन के लिए सरकारों से समन्वय करना।
- क्षमता निर्माण:
  - राष्ट्रीय शरण प्रणालियों का समर्थन करना।
  - अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी विधियों पर सरकारों और संस्थाओं को प्रशिक्षण देना।

समकालीन विश्व में प्रासंगिकता

- वैश्विक शरणार्थी संकट:
  - 2023 में 35 मिलियन से अधिक शरणार्थी थे, जबकि सीरिया, अफगानिस्तान, यूक्रेन और म्यांमार जैसे राष्ट्रों में संघर्ष के कारण 108 मिलियन लोग वैश्विक स्तर पर विस्थापित हुए हैं।
  - मानवीय सहायता प्रदान करने और राजनीतिक समाधान की वकालत करने में UNHCR की भूमिका महत्वपूर्ण है।
- जलवायु परिवर्तन:

- पर्यावरणीय आपदाओं और जलवायु परिवर्तन से प्रेरित विस्थापन में वृद्धि हुई है, जिससे सुभेद्य आबादी की सुरक्षा करने में UNHCR के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं।
- राज्यविहीनता:
  - भेदभावपूर्ण विधियों और प्रथाओं के कारण वर्तमान में लाखों लोग राज्य विहीन हैं। UNHCR के #IBelong जैसे अभियानों का लक्ष्य 2024 तक राज्यविहीनता को समाप्त करना है।
- बढ़ता विदेशी द्वेष/ ज़ेनोफोबिया:
  - बढ़ते राष्ट्रवाद और शरणार्थी-विरोधी भावना के युग में, विस्थापित व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने हेतु UNHCR आवश्यक है।
- जटिल संकट:
  - आधुनिक संघर्षों में अक्सर गैर-राज्य अभिकर्ता और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे शामिल होते हैं, जिसके लिए UNHCR के समन्वय की आवश्यकता होती है।

विस्थापित और राज्यविहीन आबादी की रक्षा करने के लिए UNHCR का अधिदेश समकालीन मानवीय संकटों से निपटने में इसे अपरिहार्य बनाता है। हालाँकि, इसे वित्त पोषण, मेजबान देशों से सीमित सहयोग और राजनीतिक प्रतिरोध जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और विस्थापन के मूल कारणों को संबोधित करना मानवीय पीड़ा को कम करने में इसकी निरंतर प्रभावशीलता सुनिश्चित करेगा।